

कृषि केवल आजीविका नहीं, हमारी संस्कृति और अर्थव्यवस्था की है धुरी : सीएम यादव

जय जवान-जय किसान-
जय विज्ञान के साथ जोड़
जय अनुसंधान

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि कृषि केवल आजीविका नहीं है, बल्कि यह हमारी संस्कृति और परंपरा का अभिन्न हिस्सा रही है। कृषि हमारी अर्थव्यवस्था की धुरी है और प्रदेश के समग्र विकास का आधार भी है। उन्होंने कहा कि आज कृषि एक नए मोड़ पर खड़ी है, जहां जलवायु परिवर्तन, अनियमित वर्षा, सूखा, बाढ़, मृदा की घटती उर्वरता और

बाजार की अस्थिरता जैसी चुनौतियां हमें नई सोच और नवाचार की ओर प्रेरित कर रही हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के कृषि क्षेत्र में एक नई ऊर्जा का संचार हुआ है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए योजनाओं का विस्तार हुआ है, तकनीक को खेतों तक पहुंचाया गया है और नवाचार को जन-आंदोलन का रूप दिया गया है। "ड्रोन दीदी" जैसी पहल के माध्यम से महिलाएं भी आधुनिक कृषि तकनीक से जुड़ रही हैं, वहीं कृषि सखियों के माध्यम से जैविक खेती, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन और

आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी किसानों तक पहुंचाई जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि "कृषि: मूल जीवनम्" का भाव हमारे समाज की जीवन-दृष्टि को व्यक्त करता है। कृषि धन्य है, पवित्र है और जीवन का मूल आधार है। इसी भावना को आत्मसात करते हुए "समृद्ध किसान-समृद्ध मध्यप्रदेश" की थीम पर पूरे वर्ष 2026 को प्रदेश में कृषि उत्सव मनाया जा रहा है। इसका उद्देश्य किसानों को भविष्य की कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित करना और कृषि को लाभकारी, स्थायी तथा तकनीक आधारित रोजगार सृजन मॉडल में



परिवर्तित करना है।

एग्री स्टैक योजना में म.प्र. अग्रणी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि

राज्य सरकार किसानों के जीवन को आसान बनाने के लिए डिजिटल तकनीक का व्यापक उपयोग कर रही है। एग्रीस्टैक योजना के अंतर्गत किसानों का संपूर्ण डेटा डिजिटल रूप में उपलब्ध कराया जा रहा है और इस योजना के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश देश में अग्रणी रहा है। डिजिटल किसान डेटा इंटीग्रेशन से किसानों की सभी, फसल और उत्पादन से जुड़ी जानकारी एक क्लिक पर उपलब्ध हो रही है, जिससे सरकारी योजनाओं का लाभ तेजी से किसानों तक पहुंचाया जा रहा है। मोबाइल और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से किसानों को मौसम, बाजार

भाव और फसल प्रबंधन से जुड़ी जानकारी भी उपलब्ध कराई जा रही है।

कृषि के क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता की आवश्यकता

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषि के क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की भावना के अनुरूप जय जवान-जय किसान के साथ जय विज्ञान जोड़ा गया था और वर्तमान दौर में इसमें "जय अनुसंधान" को भी

जोड़ने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों को आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक खेती, कृषि उत्पादों में वैल्यू एडिशन और बेहतर मार्केट लिंकेज के माध्यम से सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश में खेती में नवीन पद्धतियों और फसल विविधीकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है। रसायन मुक्त खेती, जैविक कृषि और प्राकृतिक खेती के विस्तार के लिए भी विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। कृषि अवशेषों अर्थात् पराली के वैज्ञानिक प्रबंधन, मंडियों के आधुनिकीकरण और कृषि उत्पादों को ऑनलाइन ■ शेष पृष्ठ 6 पर

आज

बेबाक

कुछ भी हो असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिश्व सरमा को शर्म लिहाज नहीं छोड़नी चाहिए थी। एक परम तपस्वी को गंदी गाली और खेड़ा से पेड़ा बनाने की धमकी देकर नया बखेड़ा नहीं करना चाहिए था। उन्हें इतनी बात तो समझनी चाहिए कि अगर कोई कुत्ता आदमी को काट ले तो आदमी कुत्ते को नहीं काटता। फिर खेड़ा तो बब्बर शेर हैं। वे गौदड़ भभकी से कतई डरने वाले नहीं हैं। उन्हें डरपोक चूहा कहकर उनका मजाक नहीं उड़ाना चाहिए। सभी को समझना चाहिए कि - शब्द संवारे बोलिए, शब्द के हाथ न पांव, एक शब्द औषध करे एक शब्द करे घाव।

15 अप्रैल को मंत्रिपरिषद की बैठक

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में 15 अप्रैल 2026 को पूर्वाह्न 11:30 बजे से मंत्रिपरिषद की बैठक आयोजित है। यह बैठक मंत्रालय महानदी भवन में मंत्रिपरिषद कक्ष एम-5/20 में होगी।

पाक में वार्ता पर संशय के बादल: पहले बैठक वाला सोशल मीडिया पोस्ट डिलीट ईरान यूरेनियम पर फंसा रहा पेंच अमेरिका ने सीजफायर की 3 शर्तें तोड़ीं, अब बातचीत बेकार

ट्रम्प बोले- समझौते तक ईरान के आसपास आर्मी तैनात रहेगी

तेहरान/वॉशिंगटन/ए। ईरान ने अमेरिका पर सीजफायर की तीन अहम शर्तें तोड़ने का आरोप लगाया है। ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकेर गालिबाफ ने कहा कि अमेरिका ने 10-पॉइंट प्रस्ताव की बुनियादी शर्तों का उल्लंघन किया है। ईरान ने साफकहा है कि जिस आधार पर बातचीत होनी थी, वही पहले ही टूट चुका है।

ऐसे में अब बातचीत या सीजफायर तर्कसंगत नहीं रह गया है। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि जब तक ईरान के साथ हुआ समझौता पूरी तरह लागू नहीं होता, तब तक अमेरिकी सेना ईरान के आसपास तैनात रहेगी। ट्रम्प ने दूरस्थ सोशल पर पोस्ट कर चेतावनी दी कि अगर समझौते का पालन नहीं हुआ, तो फिर ■ शेष पृष्ठ 6 पर



लेबनान में इजराइली हमलों से एक दिन में 254 मौतें

इजराइली सेना ने बुधवार को लेबनान में सेकड़ों मिसाइलों से हमला किया, जिसमें 254 लोगों की मौत हो गई। लेबनान की सिविल डिफेंस एजेंसी के मुताबिक, इस एयर स्ट्राइक में कम से कम 1,165 लोग घायल हुए। इसके बाद देश में राष्ट्रीय शोक घोषित किया गया है। हमले बेरुत, बेक्का वैली, माउंट लेबनान, सैदेन और दक्षिण लेबनान के कई गांवों में किए गए। यह हमला उसी दिन हुआ, जब अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच दो हफ्ते के सीजफायर का ऐलान किया गया था।

15,400 टन एलपीजी लेकर भारत पहुंचा जहाज ग्रीन आशा

भारतीय झंडे वाला एलपीजी टैंकर 'ग्रीन आशा' 15,400 टन गैस लेकर भारत पहुंचा है। होर्मुज स्ट्रेट पार कर यह जहाज गुरुवार को नवी मुंबई के जेएनपी (जवाहरलाल नेहरू पोर्ट) पर डॉक किया। इससे पहले 'ग्रीन सांवी' नाम का एक और भारतीय टैंकर भी होर्मुज पार कर चुका है। केंद्र सरकार ने कहा कि देश में एलपीजी सप्लाई सामान्य और नियंत्रण में है।

समझौता होने तक ईरान के आसपास तैनात रहेंगे अमेरिकी जहाज, विमान: ट्रम्प

वॉशिंगटन (वार्ता/सूतनिक)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान के साथ अंतिम समझौते के पूरी तरह लागू होने तक उनके युद्धपोत, विमान और सैन्य बल ईरान के आसपास तैनात रहेंगे। श्री ट्रम्प ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर कहा, अमेरिका के सभी जहाज, विमान और सैन्य कमी, अतिरिक्त गोला-बारूद, हथियार और अन्य सभी चीजें ईरान में और उसके आसपास तब तक तैनात रहेंगे, जब तक कि वास्तविक समझौते का पूरी तरह से पालन नहीं हो जाता। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समझौता लागू नहीं हुआ, तो संघर्ष पहले से कहीं अधिक बड़ा, बेहतर और अधिक ताकतवर रूप ले सकता है।

युद्धविराम पर मंडराते संकट के बादल

28 फरवरी से शुरू हुए इस भीषण युद्ध को रोकने के लिए जिस युद्धविराम की घोषणा की गई थी, वह पिछ्हाल लड़खड़ाता नजर आ रहा है। दरअसल, पाकिस्तान ने नियुक्त ईरानी राजदूत रजा अमीरी मुग़ादम ने इस्लामाबाद में अमेरिका-ईरान के बीच सीजफायर वार्ता के लिए प्रतिनिधिमंडल के आगमन वाली सोशल मीडिया पोस्ट हटा दी है। यह पोस्ट हटाए जाने के बाद वार्ता के आयोजन पर संशय और संशयों गहरा गया है।

बंगाल की जनता को पीएम मोदी की 6 गारंटी, विकास की नींव मजबूत करेंगे

कोलकाता/ए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल की जनता से भाजपा की जीत का आशीर्वाद मांगा है। उन्होंने बंगाल के हृदय में जनसभा के दौरान कहा कि बंगाल का ये चुनाव सामान्य नहीं है। ये बंगाल के वैभव को फिर से स्थापित करने का चुनाव है। ये विकसित बंगाल की नींव मजबूत करने का चुनाव है और इसका पहला व सबसे बड़ा कदम निर्मम सरकार की विदाई का होगा। इस दौरान, पीएम मोदी ने स्वतंत्रता सेनानी सतीश चंद्र सामंता को याद करते हुए राज्य की जनता को 6 गारंटी दी।

पीएम बोले बंगाल को 6 गारंटीयां देता हूं अपने संबोधन में प्रधानमंत्री



ये परिवर्तन की आंधी

रेली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बंगाल ने इस बार हर विपरीत परिस्थिति को पराजित करने का फैसला कर लिया है। भाजपा की विजय, इस उत्साह और उमंग में दिखाई पड़ती है। ये परिवर्तन की आंधी है। ये टीएमसी की निर्मम सरकार के जाने का ऐलान है।

मोदी ने कहा, गुलामी के कालखंड में सतीश चंद्र सामंता ने अंग्रेजों की सत्ता हिला दी थी। आज इसी धरती से मैं पश्चिम बंगाल को 6

बंगाल में लुटेरों का हिसाब होगा

पश्चिम बंगाल की जनता से अपील करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि इन्हीं गारंटियों को ध्यान में रखते हुए 23 अप्रैल को भारी मतदान करना है। हर बुध पर भाजपा के उम्मीदवारों को विजयी बनाए। इसके साथ ही उन्होंने कहा, हमारा सिद्धांत और मंत्र है 'सबका साथ-सबका विकास'। हम इसके प्रति प्रतिबद्ध हैं। लेकिन बंगाल में एक और वादा करता हूँ कि सबका साथ-सबका विकास और बंगाल में लुटेरों का हिसाब होगा।

गारंटियां देता हूं। पहली गारंटी-भाजपा सरकार बंगाल में भय की जगह भरोसा कायम करेगी ■ शेष पृष्ठ 6 पर

एमपी में गेहूं खरीदी में देरी पर कांग्रेस का प्रदर्शन

जीतू पटवारी बोले- सरकार ने रणनीतिक तरीके से घोटाला किया; 4 संभागों में आज से गेहूं खरीदी शुरू

भोपाल/नवप्रदेश। एमपी में आज से चार संभागों में गेहूं खरीदी शुरू हो गई है। इस बार गेहूं खरीदी देरी से शुरू होने के पीछे सरकार इजराइल-ईरान युद्ध का हवाला दे रही है। ऐसे में गेहूं खरीदी में देरी को कांग्रेस ने प्रदेशभर में प्रदर्शन किया। खंडवा में कांग्रेस में प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने बैरिकेडिंग तोड़कर कलेक्ट्रेट पहुंचकर जमकर नारेबाजी की। करीब 5 हजार से

ज्यादा कांग्रेसी प्रदर्शन में शामिल हुए हैं। रतलाम में जिला कांग्रेस कमिटी के नेतृत्व में कृषि उपज मंडी में धरना दिया गया, जिसमें बड़ी संख्या में किसान भी शामिल हैं। भोपाल-श्यापुर में भी कांग्रेस ने नारेबाजी की। इधर, पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने आरोप लगाया कि सरकार ने रणनीतिक तरीके से घोटाला किया है। बारदाने की कमी का बहाना बनाकर गेहूं खरीदी नहीं की गई। यह किसानों को धोखा देने की कोशिश है। भोपाल से छतरपुर रवाना होने से पहले पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा कि तथ्यों से साबित हो गया है कि भाजपा, शिवराज ■ शेष पृष्ठ 6 पर

कोर्ट यह नहीं कह सकता वहां शराब मत दो

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सबरीमाला केस की सुनवाई के दौरान भारत के मंदिरों में रीति-रिवाजों का जिक्र किया। एएसजी नटराज ने कहा, दक्षिण भारतीय मंदिरों में प्रसाद के रूप में मदिरा दी जाती है। कल को आप इस पर यह आपत्ति नहीं उठा सकते कि मदिरा न दी जाए।

एक उदाहरण देता हूं, कई मंदिरों में शाकाहारी भोजन परोसा जाता है, और अगर कोई व्यक्ति अपनी पसंद या अंतरात्मा की आवाज पर कहता है कि वह

सबरीमाला केस: सरकार बोली- कई मंदिरों में प्रसाद में शराब दी जाती है

सीजेआई बोले- हर सवाल का जवाब सिर्फ थ्योरी से नहीं दिया जा सकता

वैधानाथन: अनुच्छेद 32(फंडामेंटल राइट्स की सुरक्षा) के तहत हर धार्मिक समूह अपने अधिकारों की रक्षा के लिए कोर्ट जा सकता है। सीजेआई- अगर सरकार सामाजिक सुधार के लिए कोई कानून बनाती है और उसका असर धार्मिक प्रथाओं पर पड़ता है। तो उसका असर अनुच्छेद 26 (धार्मिक संस्थाओं के अधिकार) पर भी पड़ सकता है। यानी यह कहना सही



नहीं है कि अनुच्छेद 26 पर कभी असर ही नहीं पड़ेगा। इस सवाल का जवाब सिर्फ थ्योरी से नहीं दिया जा सकता। असल में यह हर केस के हिसाब से तय होगा।

मांसाहारी भोजन करना चाहता है, तो वह किसी खास संप्रदाय के पास जाकर यह नहीं कह सकता कि मेरा यह अधिकार है और मुझे

यही परोसा जाना चाहिए। उसे उन श्रद्धालुओं के अधिकारों में दखल देने का कोई अधिकार नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ■ शेष पृष्ठ 6 पर



तीन अंतर्राज्यीय सिंचाई परियोजनाएं किसानों की समृद्धि और प्रदेश की तरक्की का आधार बन रही हैं नदी जोड़ो परियोजनाओं से बदल रही है किसानों की तकदीर और मध्यप्रदेश की तस्वीर

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश की तीन अंतर्राज्यीय सिंचाई परियोजनाएं किसानों की समृद्धि और तरक्की का आधार बन रही हैं। इन परियोजनाओं से जब किसान के खेतों तक पानी पहुंचेगा तो मिट्टी सोना उगलेगी। किसानों को भरपूर पानी मिलेगा, जिससे वे एक वर्ष में तीन-तीन फसलें ले सकेंगे। तीन पड़ोसी राज्यों उत्तर प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र के साथ प्रदेश में तीन बड़ी अंतर्राज्यीय नदी जोड़ो परियोजनाओं पर तेजी से कार्य हो रहा है। उत्तर प्रदेश के साथ केन-बेतवा लिंक परियोजना, राजस्थान के साथ



पार्वती-चंबल-कालीसिंध परियोजना और महाराष्ट्र के साथ मेगा-तापी अंडरग्राउंड वॉटर रिचार्ज परियोजना पर कार्य किया जा रहा है। इन परियोजनाओं के पूरा होने पर मध्यप्रदेश में कृषि, उद्योग, पेयजल के लिए पर्याप्त मात्रा में जल उपलब्ध

होगा। इन परियोजनाओं की विशेषता यह है कि इन पर आने वाली लागत का 90% खर्च केंद्र सरकार वहन करेगी। वर्तमान में मध्यप्रदेश का सिंचाई रकबा लगभग 55 लाख हेक्टेयर है। वर्ष 2028-29 तक इसे 100 लाख हेक्टेयर तक पहुंचाने का लक्ष्य मध्यप्रदेश सरकार ने रखा है।

केन-बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना

अंतर्राज्यीय नदियों को जोड़ने की दिशा में केन्द्र सरकार, मध्यप्रदेश एवं उत्तर प्रदेश सरकार मिल कर देश की प्रथम अंतर्राज्यीय नदी जोड़ो परियोजना -केन-बेतवा लिंक राष्ट्रीय

परियोजना- का निर्माण कर रही है। इसकी कुल लागत 44,604 करोड़ रुपये है। मध्यप्रदेश के कार्याय के लिए केन-बेतवा लिंक परियोजना की लागत 24,293 करोड़ रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति मध्यप्रदेश शासन द्वारा अप्रैल 2024 में जारी की गई। परियोजना के प्रथम चरण में दौधन बांध का प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिसंबर 2025 को शिलान्यास किया गया। परियोजना से दो चरणों में मध्यप्रदेश में 8 लाख 11 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में वार्षिक सिंचाई क्षमता विकसित की जानी है। परियोजना में 126 एम.सी.एम. जल से 10 जिलों की 41 लाख ■ शेष पृष्ठ 6 पर

5 नए मेडिकल कॉलेज खुलेंगे, एमबीबीएस की सीटें बढ़ेंगी

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा विस्तार होने जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने घोषणा की है कि राज्य में जल्द ही 5 नए सरकारी मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जाएंगे। इस फैसले से प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा को मजबूती मिलेगी और छात्रों को बाहर जाने की आवश्यकता कम होगी। एमबीबीएस सीटों में बड़ा इजाफा: प्रत्येक नए मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की 50 सीटें होंगी। इस तरह कुल 250 नई सीटें जुड़ेंगी। अभी प्रदेश में 10 सरकारी ■ शेष पृष्ठ 6 पर

मेडिकल कॉलेज
MEDICAL COLLEGE

इन स्थानों पर बनेंगे नए मेडिकल कॉलेज

राज्य सरकार द्वारा मनेंद्रगढ़, कबीरधाम, जाजगीर-चांपा, गीदम (दंतेवाड़ा) और कुनकुरी (जशपुर) में नए मेडिकल कॉलेज खोले जाएंगे। इन संस्थानों के शुरू होने से दूरस्थ और आदिवासी क्षेत्रों में भी स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार होगा।



नक्सल प्रभावित क्षेत्र में पहुंचे भाजपा जिला अध्यक्ष चंद्राकरन, ग्रामीणों चर्चा कर दी योजनाओं की जानकारी

■ लाभार्थियों ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं से खुश है

गरियाबंद/नवप्रदेश। भाजपा के स्थापना दिवस को लेकर गांव बस्ती चलो अभियान अंतर्गत भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल चंद्राकर ने नक्सल प्रभावित क्षेत्र रहे दरीपारा के अनेक ग्रामों का दौरा कर सीधे ग्रामीणों से चर्चा की गांव की मूलभूत समस्या सुनी। इसके अलावा केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। अनेक योजनाओं के लाभान्वित हितग्राहियों ने चर्चा के दौरान

केंद्र और राज्य सरकार की संचालित योजनाओं के लाभ मिलने पर प्रसन्नता जाहिर की। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत अभियान की तरफदेश आगे बढ़ रहा है। उनके साथ दौर में भाजपा जिला मंत्री सुरेंद्र सोनटेके, बिंदानवागढ़ भाजपा मंडल अध्यक्ष धनराज विश्वकर्मा, मंडल महामंत्री धनंजय नेताम ,त्रिलोक राठौर, मौजूद थे।

भाजपा जिला अध्यक्ष श्री चंद्राकर ने ग्राम दरीपारा और रावण डिग्री में ग्रामीणों को संबोधन में कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गांव गरीब और किसानों के



विकास के लिए संकल्पित है। केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धि यह है कि तेजी से विकास कार्य हो रहा है। विकास के

भाजपा सरकार विकास के लिए प्रतिबद्ध

भाजपा जिला मंत्री सुरेंद्र सोनटेके, मंडल अध्यक्ष धनराज विश्वकर्मा ने कहा कि राज्य की भाजपा सरकार विकास के लिए प्रतिबद्ध है। चुनाव के दौरान मोदी की गारंटी पूरा करने का वायदा सरकार ने किया था। उसी के तहत कार्य किया जा रहे हैं। जी राम जी योजना से गांव विकास से खुशहाल होगा। उल्लेखनीय है कि नक्सल प्रभावित क्षेत्र में चुनाव के बाद भाजपा नेताओं ने दौरा किया। ग्रामीणों ने बताया कि राशन प्रत्येक माह मिल रहा है।

आवास, किसान सम्मान निधि के अलावा केंद्र सरकार की सैकड़ों योजनाओं का लाभ हितग्राहियों को सीधे मिल रहा है। वहीं राज्य की भाजपा सरकार मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सुशासन की सरकार छत्तीसगढ़ में लाने में सफल हुई है। महतारी वंदन की राशि प्रत्येक माह महिलाओं को मिल रही है।इस अवसर पर मुकेश बिसेन,प्रीतम प्रधान, बगतुराम ध्रुव, वेश राठौर, भूपेंद्र ध्रुव ,रमेश ध्रुव,अघन सिंह ठाकुर, भादुराम ध्रुव,ललित ध्रुव,रूपेशध्रुव ,गिरधारी ध्रुव,गणेशराम ध्रुव,बलराम देवांगन, प्रह्लाद ठाकुर एवं ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

न्यूज गैलरी

विशेष ग्राम सभा का आयोजन 14 अप्रैल को

बलौदाबाजार/नवप्रदेश। पंचायत संचालनालय के निर्देशानुसार 14 अप्रैल 2026 से जिले के प्रत्येक ग्राम में ग्राम सभा का आयोजन करने हेतु कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने आदेशित किया है। ग्राम सभा में शतप्रतिशत उपस्थिति एवं गणपूर्ति सुनिश्चित कराने का दायित्व संबंधित सरपंच एवं पंचों का होगा।ग्राम सभा में एजेंडा अनुसार चर्चा की जाएगी। इसमें ग्राम सभा की पूर्व बैठक में पारित संकल्पों के क्रियान्वयन संबंधी पालन प्रतिवेदन।पंचायतों के विगत तिमाही के आय-व्यय की समीक्षा एवं अनुमोदन।पिछली वर्ष में विभिन्न योजनाओं से स्वीकृत कार्य के नाम, प्राप्त राशि, स्वीकृत राशि, व्यय राशि एवं कार्य की अद्यतन स्थिति का वाचन। ग्राम पंचायतों में कर अधिरोपण एवं संग्रहण की प्रणाली ऑनलाईन करने के लिए समर्थ पंचायत पोर्टल का उपयोग करने तथा वर्तमान वित्तीय वर्ष के लिए संपत्ति कर के दर निर्धारण पश्चात् कर अधिरोपण प्रारंभ करना आदि शामिल है।

ग्राम पंचायत तेलासी में पहुंचा हर घर नल से जल, प्रमाणीकरण के साथ संचालन व्यवस्था हस्तांतरित



बलौदाबाजार/नवप्रदेश। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन,हर घर जल के अंतर्गत विकासखंड पलारी के ग्राम पंचायत तेलास में ग्राम के प्रत्येक घर तक स्वच्छ पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित हुई है। इसके साथ हर घर जल प्रमाणीकरण प्राप्त किया है। उपलब्धि के उपरांत जलापूर्ति योजना का विधिवत हस्तांतरण ग्राम पंचायत को कर दिया गया है।योजना के सफल क्रियान्वयन में जनप्रतिनिधियों, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी रही। ग्राम पंचायत स्तर पर पाइपलाइन विस्तार, घरेलू नल कनेक्शन एवं जल संरचनाओं का निर्माण गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया गया।योजना के दीर्घकालिक संचालन एवं रख-रखाव को सुनिश्चित करने हेतु ग्राम पंचायत में आवश्यक व्यवस्थाएं स्थापित की गई हैं।योजना के संचालन हेतु प्रति परिवार ७80 प्रतिमाह जल कर निर्धारित किया गया है।जल आपूर्ति के नियमित संचालन के लिए स्थानीय स्तर पर पंप ऑपरेटर नियुक्त कोयन गया है। योजना के संचालन, रख-रखाव एवं निगरानी की जिम्मेदारी ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति को सौंपी गई है।जल वाहिनी टीम द्वारा समय-समय पर जल की गुणवत्ता की जांच सुनिश्चित की जा रही है।

बालोद जिले में राजस्व पखवाड़े का आयोजन निरंतर जारी

बालोद/नवप्रदेश। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार आम जनता की राजस्व संबंधी समस्याओं के त्वरित और प्रभावी निराकरण हेतु जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों में अलग-अलग तिथियों में राजस्व पखवाड़ा का आयोजन निरंतर जारी है। इसके अंतर्गत आज 08 अप्रैल को जिले के सभी विकासखण्डों के विभिन्न पंचायतों में राजस्व पखवाड़ा का आयोजन किया गया। इस दौरान आम जनता से प्राप्त अविवादित नामांतरण, अविवादित खाता विभाजन, व्यपवर्तन, वृक्ष कटाई, नक्शा बटांकन, पैती नामांतरण, बटवारा, अभिलेख जुटिसुधार आदि से संबंधित राजस्व प्रकरणों का मौफे पर ही निराकरण सुनिश्चित किया गया। राजस्व पखवाड़ा को लेकर आम नागरिकों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। ग्रामीणों ने आज सुबह से ही अपने राजस्व संबंधी समस्याओं के निराकरण हेतु ग्राम पंचायतों में आयोजित राजस्व पखवाड़ा शिविर में उपस्थित होकर अपनी समस्याओं के निराकरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया। जिले में आयोजित राजस्व पखवाड़ा के इसी अनुक्रम में गुरूवार 09 अप्रैल 2026 को बालोद तहसील के ग्राम पंचायत उमरादाह, जमखवा एवं लिमोरा, डौणडीलोहरा तहसील के ग्राम पंचायत सेम्टरडीह, बैहकुआ, मंगचुवा, कमकापार, अरजपुरी, चिखली, पिंगात, डौणडी तहसील के ग्राम पंचायत सुवरबोड़, अजुंदा तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत ओड़ारसकरी एवं कमरीद में राजस्व पखवाड़ा का आयोजन किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि 'राजस्व पखवाड़ा' अप्रैल से जून तक तीन चरणों में आयोजित किया जा रहा है जिसके अंतर्गत अप्रैल माह में 01 अप्रैल से 15 अप्रैल 2026, मई माह में 04 मई से 18 मई 2026 तथा जून माह में 01 जून 2026 से 15 जून 2026 तक राजस्व पखवाड़ा का आयोजन किया जाएगा।

देशी मंदिरा बिक्री करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

छुरा/नवप्रदेश। जिले के पुलिस अधीक्षक के द्वारा नशे के विरुद्ध चलाया जा रहा है। जिस पर पुलिस अधीक्षक तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं उप पुलिस अधीक्षक गरियाबंद के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी थाना छुरा के नेतृत्व में अवैध रूप से शराब बनाने बेचने एवं पिलाने के लिए साधन उपलब्ध कराने वाले लोगों में लगाम लगाने के लिए थाना छुरा के स्टोफद्वारा धर पकड़ की कार्यवाही करते हुये अवैध रूप से शराब बिक्री करने वाले दो व्यक्ति के खिलाफदो प्रकरण धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही किया गया है, जिसमें आरोपीयों के कब्जे से कुल जुमला 15 लीटर 120 एमएल किमती 8400 रूपया अवैध देशी मंदिरा प्लेन व मसाला शराब एवं परिवहन कर रहने मोटर सायकल को पकड़ा गया। आरोपीयों का कृत्य आबकारी एक्ट का घटित करने पाया जाने से अपराध पंजीबद्ध किया गया है। मामला अजमानततीय होने से दोनो आरोपीयों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया। उक्त कार्यवाही में थाना छुरा पुलिस का सराहनीय भूमिका रही।

आंचलिक

चोरी के बाद ही क्यों जागती है पुलिस?

छुईखदान में बिना लाइसेंस संचालित कबाड़ी दुकानों पर उठे गंभीर सवाल

छुईखदान/नवप्रदेश। नगर में कबाड़ी दुकानों के संचालन को लेकर अब कई सवाल खड़े हो रहे हैं। क्षेत्र में जब भी कोई चोरी की घटना सामने आती है, तभी पुलिस द्वारा कबाड़ी दुकानों की जांच की जाती है, जबकि सामान्य दिनों में इनकी नियमित निगरानी नहीं के बराबर है। स्थानीय नागरिकों का कहना है यदि समय-समय पर इन दुकानों की जांच की जाए, तो कई अवैध गतिविधियों का खुलासा हो सकता है।

राजनगरीगाँव में हाल ही में हुई कार्रवाई के दौरान करीब 32 लाख रुपये का अवैध लोहा ज्वत् किया गया था, जिससे यह स्पष्ट होता है कि कबाड़ी कारोबार के माध्यम से चोरी का सामान खपाया जा सकता है।

किसी को नहीं मिला लाइसेंस, फिर भी संचालन जारी: जानकारी के अनुसार, नगर



नियमों की अनदेखी

नियमों के अनुसार, कबाड़ी दुकान संचालित करने के लिए नगर पंचायत से अनुमति एवं पंजीकरण अनिवार्य होता है। साथ ही खरीदी-बिक्री का रिकॉर्ड रखना, सदिग्ध वस्तुओं की खरीद पर रोक तथा निर्धारित व्यावसायिक क्षेत्र में ही दुकान संचालित करना आवश्यक है। इसके विपरीत, छुईखदान में कई दुकानें रिहायशी इलाकों में संचालित हो रही हैं।

पंचायत छुईखदान द्वारा किसी भी कबाड़ी दुकान को अब तक न तो वैध लाइसेंस प्रदान किया गया है

और न ही किसी प्रकार का पंजीकरण किया गया है। इसके बावजूद नगर के विभिन्न क्षेत्रों में

साधना सप्ताह 2026 के लिए कलेक्टर ने अधिकारियों-कर्मचारियों को दिया प्रशिक्षण

■ कलेक्टर वीएस उड्डे ने अधिकारियों की बैठक लेकर दिए आवश्यक निर्देश

गरियाबंद/नवप्रदेश। जिले में कर्मयोगी भारत के अंतर्गत राष्ट्रीय अधिगम सप्ताह (साधना सप्ताह 2026) के अंतर्गत कलेक्टर श्री बीएस उड्डे की अध्यक्षता में अधिकारी-कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया। कलेक्टर ने सभी अधिकारी-कर्मचारियों को निर्देशित किया कि कर्मयोगी के तहत साधना सप्ताह को प्रभावी रूप से क्रियान्वयन के लिए



अपने-अपने स्तर पर सभी आवश्यक कार्यवाही समयबद्ध रूप से सुनिश्चित करें। उल्लेखनीय है कि 2 अप्रैल से 10 अप्रैल 2026 तक यह विशेष अधिगम अभियान आयोजित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों में समन्वित,

समयबद्ध तथा केन्द्रित अधिगम विकसित करना है, ताकि प्रशासनिक कार्यक्षमता में और अधिक सुधार हो सके। इस दौरान एनआईसी के उपनिदेशक श्री नेहरू निराला ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से सभी अधिकारी-कर्मचारी को प्रत्येक बारीकियों के बारे में विस्तार पूर्वक बताया और उनके समस्याओं का समाधान भी बताया। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण सभी अधिकारी-कर्मचारी के लिए आवश्यक है।

गरियाबंद में विवाह पूर्व संवाद केंद्र का शुभारंभ

युवाओं को मिलेगा वैवाहिक जीवन से जुड़े मार्गदर्शन

गरियाबंद/नवप्रदेश। जिले में विवाह पूर्व संवाद केंद्र का शुभारंभ महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा किया गया है। इस केंद्र के माध्यम से युवाओं एवं भावी दंपतियों को विवाह से पूर्व आवश्यक मार्गदर्शन एवं परामर्श प्रदान किया जाएगा। इस केंद्र का उद्देश्य विवाह से पूर्व आपसी समझ, पारिवारिक जीवन की तैयारी, स्वास्थ्य जागरूकता, कानूनी अधिकारों एवं दायित्वों

की जानकारी प्रदान करना है, ताकि वैवाहिक जीवन सुदृढ़ एवं संतुलित बन सके।महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री अशोक पाण्डेय ने बताया कि प्री मैरिटल काउंसलिंग एवं कन्सुनिकेशन सेंटर के माध्यम से विवाह पूर्व परामर्श सत्र आयोजित किए जाएंगे। जिसमें दहेज निषेध, घरेलू हिंसा, लैंगिक समानता विषयों पर मार्गदर्शन दिया जाएगा।

धरसीवां में ई-केवाईसी के नाम पर महिलाओं को भटकाने का आरोप, कांग्रेस ने दी घेराव की चेतावनी

धरसीवां / नवप्रदेश।। महिला एवं बाल विकास विभाग धरसीवां-2 में ई केवाईसी प्रक्रिया को लेकर अव्यवस्था और महिलाओं को हो रही परेशानी का मामला सामने आया है। मंडल कांग्रेस कमेट्री धरसीवां के अध्यक्ष साहिल खान ने इस संबंध में परियोजना अधिकारी को लिखित शिकायत सौंपते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं।

शिकायत में कहा गया है कि ई केवाईसी के नाम पर क्षेत्र की महिलाओं को गुमराह किया जा रहा है और उन्हें बार-बार



कार्यालयों तथा च्वाइस सेंटरों के चक्कर कटवाए जा रहे हैं। इससे महिलाओं को अनावश्यक मानसिक और शारीरिक परेशानी होना अंतर्गत संचालित कार्यों की समीक्षा करते हुए यह भी बताया गया कि सभी स्वीकृत कार्यों को 30 अप्रैल तक पूर्ण किया जाए। पंचायत स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग करते हुए श्रमिकों को अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध कराने के लिए कहा गया।मनरेगा ग्रामीण क्षेत्र के श्रमिकों के लिए रोजगार का एक महत्वपूर्ण माध्यम है इसलिए कार्यों को समय पर पूरा करना

श्-चड्ढष्ट प्रक्रिया स्पष्ट रूप से शुरू नहीं होने के कारण भ्रम की स्थिति बनी हुई है, जिसका खामियाजा आम महिलाओं को भुगतना पड़ रहा है। मंडल कांग्रेस कमेट्री ने प्रशासन से मांग की है कि तत्काल प्रभाव से ई – केवाईसी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित किया जाए और महिलाओं को भटकाने की स्थिति समाप्त की जाए। साथ ही संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश जारी किए जाएं, ताकि लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।



में जनपद अध्यक्ष सिन्हा ने कहा कि छुरिया विकासखंड के विभिन्न ग्रामों में निर्माण कार्यों की स्वीकृति से ग्रामीणों में बहुत ही खुशी और गर्व का अवसर है कि हमारे क्षेत्र होकर भूमिपूजन किया।इस अवसर पर उभे राम मंडावी जनपद सदस्य, तोरण दास वैष्णव, राकेश वाल्दे सरपंच मौजूद रहे। एक संक्षिप्त कार्यक्रम

पहचान है। सड़क किसी भी क्षेत्र की जीवन रेखा होती है। जहां अच्छी सड़क होती है, वहां विकास अपने आप पहुंच जाता है। आज तक हम सबने कच्ची सड़कों की समस्याएं झेली हैं बरसात के समय कीचड़, आने-जाने में परेशानी, बच्चों को स्कूल जाने में कठिनाई, और मरीजों को अस्पताल पहुंचाने में देरी।

पीएम राहत योजना अंतर्गत

सड़क दुर्घटना पीड़ितों मरीजों को मिल रहा है निःशुल्क उपचार

बालोद/नवप्रदेश। जिला प्रशासन की पहल पर शुरू की गई पीएम राहत योजना बालोद जिले के सड़क दुर्घटनाओं में पीड़ित मरीजों के लिए वरदान साबित हो रही है। इस योजना के माध्यम से जिले के सड़क दुर्घटनाओं में पीड़ित को चिन्हित अस्पतालों में त्वरित और पूरी तरह कैशलेस (निःशुल्क) इलाज की सुविधा प्रदान की जा रही है। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा और पुलिस अधीक्षक श्री योगेश कुमार पटेल के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन और पुलिस विभाग द्वारा सड़क दुर्घटना के पीड़िता को त्वरित चिकित्सा सहायता और पीएम राहत योजना अंतर्गत बालोद जिले में 04 जिंदगियों को नया जीवन मिला है। पिछले 20 दिनों में बालोद पुलिस और प्रशासन की तत्परता से 04 गंभीर सड़क दुर्घटना पीड़ितों को ई-डार पोर्टल और पीएम राहत योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और डिजिटल तकनीक (ई-डार पोर्टल) के समन्वय से पीड़ितों

को निशुल्क इलाज मिलना सुनिश्चित हुआ है। बालोद जिला प्रशासन सड़क सुरक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। जिला प्रशासन बालोद और पुलिस विभाग द्वारा सड़क दुर्घटना के पीड़ितों को तत्काल चिकित्सा सहायता और वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण सफलता हासिल की गई है।

इस मामले में पुलिस की तत्परता और योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से कीमती जान बचाने और उसे बेहतर उपचार दिलाने में सफलता मिली है। पीएम राहत योजना अंतर्गत बालोद जिले में 04 जिंदगियों को नया जीवन मिला है। पिछले 20 दिनों में बालोद पुलिस और प्रशासन की तत्परता से 04 गंभीर सड़क दुर्घटना पीड़ितों को ई-डार पोर्टल और पीएम राहत योजना के तहत कैशलेस (निःशुल्क) उपचार प्रदान किया गया है।

सीसी सड़क एवं नाली निर्माण का भूमिपूजन

■ बारिश में स्कूली बच्चों को नही होगी परेशानी

छुरिया/नवप्रदेश। ग्राम पंचायत आमगांव (छु.) व गर्रांपार, घोटिया, टेकेहरा में ग्रामीणों की मांग पर संजय कुमार सिन्हा अध्यक्ष जनपद पंचायत छुरिया ने सीसी सड़क निर्माण कार्य, नाली निर्माण हेतु स्वीकृति दिलाई है। जिसका भूमिपूजन संपन्न हुआ, इस अवसर पर स्वयं उपस्थित होकर भूमिपूजन किया।इस अवसर पर उभे राम मंडावी जनपद सदस्य, तोरण दास वैष्णव, राकेश वाल्दे सरपंच मौजूद रहे। एक संक्षिप्त कार्यक्रम



मैं जनपद अध्यक्ष सिन्हा ने कहा कि छुरिया विकासखंड के विभिन्न ग्रामों में निर्माण कार्यों की स्वीकृति से ग्रामीणों में बहुत ही खुशी और गर्व का अवसर है कि हमारे क्षेत्र होकर भूमिपूजन किया।इस अवसर पर उभे राम मंडावी जनपद सदस्य, तोरण दास वैष्णव, राकेश वाल्दे सरपंच मौजूद रहे। एक संक्षिप्त कार्यक्रम

पहचान है। सड़क किसी भी क्षेत्र की जीवन रेखा होती है। जहां अच्छी सड़क होती है, वहां विकास अपने आप पहुंच जाता है। आज तक हम सबने कच्ची सड़कों की समस्याएं झेली हैं बरसात के समय कीचड़, आने-जाने में परेशानी, बच्चों को स्कूल जाने में कठिनाई, और मरीजों को अस्पताल पहुंचाने में देरी।

योजनाओं की प्रगति के साथ जल संरक्षण पर विशेष जोर

ग्रामीण विकास से जुड़ी योजनाओं की प्रगति के लिए कलेक्टर ने दिए निर्देश

धमतरी/नवप्रदेश। जिले में कलेक्टर अविनाश मिश्रा के निर्देशन एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गजेंद्र सिंह ठाकुर के मार्गदर्शन में रोजगार दिवस, आवास दिवस तथा चावल महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्रामीण विकास से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना, हितग्राहियों को समय पर लाभ पहुंचाना तथा ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों की गति देना



रहा। कार्यक्रम के दौरान मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना, अमृत सरोवर, आजीविका डबरी तथा सार्वजनिक वितरण प्रणाली सहित विभिन्न योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीणों को इन योजनाओं की जानकारी देते हुए उनके लाभों के बारे में बताया। साथ ही योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित करने पर विशेष बल

दिया गया।

कार्यक्रम में डिजिटल तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देने की दिशा में अमृत सरोवर के कार्यों की जानकारी व्यूआर कोड स्कैन के माध्यम से मोबाइल पर उपलब्ध कराने की व्यवस्था के बारे में लोगों को बताया गया। साथ ही व्यूआर कोड स्कैन करते ही संबंधित अमृत सरोवर की लागत, कार्य की प्रगति, स्थान तथा अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

मोबाइल पर उपलब्ध हो जाएगी। इससे ग्रामीणों को विकास कार्यों की जानकारी पारदर्शी तरीके से मिल सकेगी और आम नागरिक भी इन कार्यों की निगरानी में सहभागी बन सकेंगे।महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत संचालित कार्यों की समीक्षा करते हुए यह भी बताया गया कि सभी स्वीकृत कार्यों को 30 अप्रैल तक पूर्ण किया जाए। पंचायत स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग करते हुए श्रमिकों को अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध कराने के लिए कहा गया।मनरेगा ग्रामीण क्षेत्र के श्रमिकों के लिए रोजगार का एक महत्वपूर्ण माध्यम है इसलिए कार्यों को समय पर पूरा करना

और मजदूरी का भुगतान सुनिश्चित करना भी प्राथमिकता क्रम है।

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत चल रहे आवास निर्माण कार्यों में हितग्राहियों को मिलने वाली 90 दिन की मजदूरी का मस्टर रोल समय पर जनरेट कराया जाए ताकि मजदूरी का भुगतान समय पर हो सके। आवास निर्माण कार्यों में तेजी लाने और लॉकत कार्यों को जल्द पूरा करने के लिए पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीणों से सहयोग करने की अपील की गई। वहीं पात्र हितग्राहियों को जमानत पर आवास उपलब्ध कराना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है।

जिले में ज्ञान भारतम् पाण्डुलिपि सर्वेक्षण का कार्य प्रारंभ

बालोद/नवप्रदेश। संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार बालोद जिले में ज्ञान भारतम् पाण्डुलिपि सर्वेक्षण अभियान के क्रियान्वयन का कार्य प्रारंभ हो गया है।

बालोद जिले में इसका सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित करने हेतु कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पुरातत्व समिति का भी गठन किया गया। इसके साथ ही पाण्डुलिपि सर्वेक्षण अभियान के कार्यों का सफल क्रियान्वयन हेतु जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सुनील चंद्रवंशी को नोडल अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर श्रीमती प्रादी ठाकुर को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

सुविचार

किसी से अदालत हो जाए तो भी उसकी राह में कांटे न बिछाएं, क्या पता कभी आपको उससे मिलने जाना पड़ जाए?

सीजफायर के बाद अब जुबानी जंग

अमेरिका और ईरान के बीच जैसे तैसे सीजफायर तो हो गया है लेकिन अब दोनों के बीच जुबाली जंग शुरू हो गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ईरान को धमकी दी है कि ईरान ने समझौते को नहीं माना तो अमेरिका ने ईरान के खिलाफ और बड़ी कार्यवाही करेगा हमारी महान सेना और बड़े हमले की तैयारी कर रही है। डोनाल्ड ट्रंप ने यह भी कहा है कि जब तक समझौता नहीं हो जाता तब तक खाड़ी देशों में अमेरिका की सेना तैनात रहेगी। इसके जवाब में ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरगनजी ने बयान दिया है कि संघर्ष विराम के लिए ईरान की शर्तें बिलकुल साफ हैं। यदि उनका पालन नहीं किया गया तो इरान सीजफायर तोड़ने पर मजबूर हो जाएगा। ईरानी विदेश मंत्री के मुताबिक सीजफायर होने के बाद भी इजराइल ने लेबनान पर अपने हमले तेज कर दिये हैं जो युद्ध विराम की शर्तों का सारसर उल्लंघन है इस पर अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेन्स ने कहा है कि ईरान को गलतफहमी हुई है। सीजफायर में लेबनान शामिल नहीं है। उनके इस बयान पर कड़ी प्रतिक्रया देते हुए ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बागर ने कहा है कि सीजफायर होने के बाद भी उसकी तीन शर्तों का उल्लंघन किया जा रहा है जिसमें इजरायल द्वारा लेबनान पर हमला करना सीजफायर की शर्तों का घोर उल्लंघन है इसीलिए हम अमेरिका पर भरोसा नहीं करते क्योंकि वादों से मुकरना उसकी पुरानी आदत है। ईरान ने अभी तक होर्मूज से अपनी नाकेबंदी नहीं हटाई है। कल सीजफायर की घोषणा होने के बाद उसने होर्मूज के चार जहाजों को छोड़ दिया लेकिन जैसे ही इजराइल ने लेबनान पर हमला किया तो इरान ने फिर से होर्मूज पर नाकेबंदी कर दी। ऐसा लगता है कि इस सीजफायर में इजराइल में लेबनान पर हमला करके पेंच फंसा दिया है। वैसे भी इजराइल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सीजफायर वाले फैसले से नाखुश है। यह बात अलग है कि अमेरिका के दबाव में इजराइल पे अमेरिका ने सीजफायर पर अपनी सहमति जता दी है लेकिन उसने लेबनान पर अपने हमले और तेज कर दिये हैं जिसकी वजह से ईरान ने अब अमेरिका पर दबाव बढ़ाना शुरू कर दिया है और डोनाल्ड ट्रंप की धमकी के जवाब में उसे भी धमकाना शुरू कर दिया है। यदि दोनों के बीच इसी तरह जुबानी जंग तेज होती रही तो यह सीजफायर कभी भी टूट सकता है। डोनाल्ड ट्रंप अपनी विश्वसनियता पहले ही खो चुके हैं जिस तरह वे बार बार अपनी बातों से पलटते हैं और फिर से धमकी चमकी देने पर उतारू हो जाते हैं उससे भी सीजफायर को लेकर संदेह पैदा होना स्वाभाविक है। कल ही उन्होंने फिर यह ऐलान किया था कि 40 दिनों तक चली जंग के दौरान जिन जिन देशों ने ईरान की सैन्य मदद की है उन सभी देशों पर भी तत्काल 50 प्रतिशत टेरिफ लगाने जा रहे हैं। इससे भी ईरान नाराज हो गया है। यदि डोनाल्ड ट्रंप अपनी सनक में इसी तरह की बयानबाजी करते रहे तो इस सीजफायर का कोई औचित्य नहीं रह जाएगा। दरअसल डोनाल्ड ट्रंप भले ही यह कह रहे हों कि सीजफायर करके उन्होंने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है और उन्होंने इस जंग में ईरान को सबक सिखाकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की है लेकिन सच्चाई तो यह है कि ईरान ने उन्हें सबक सिखाया है और अमेरिका को उसकी औकात दिखाई है। यह बात इसी से स्पष्ट होती है कि खुद अमेरिका में ही डोनाल्ड ट्रंप का भारी विरोध शुरू हो गया है। वहां की विपक्षी पार्टी ने डोनाल्ड ट्रंप के निवास वाइट हाउस के सामने जाकर जमकर विरोध प्रदर्शन किया है और डोनाल्ड ट्रंप ने इस्तीफा देने की मांग है और उनका कहना है कि इस तरह से डोनाल्ड ट्रंप अपनी बातों से पलटते हैं और जंग में अपनी रणनीति बदलते हैं उससे पूरी दुनिया में अमेरिका का मजाक उड़या जा रहा है इससे लगता है कि 'डोनाल्ड ट्रंप का मानसिक संतुलन गड़बड़ा गया है इसलिए वे राष्ट्रपति पद के योग्य नहीं है। उन्हें तत्काल राष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। अमेरिका में यह भी सवाल उठ रहे हैं इस जंग से आखिर हासिल क्या हुआ है।यही वजह है कि अब डोनाल्ड ट्रंप और ज्यादा बौखला गये हैं और वे फिर से ईरान को धमकाने लगे हैं।यदि वे इसी तरह की हरकतें करेंगे तो जाहिर है कि बड़ी मुश्किल से सीजफायर के लिए राजी हुआ ईरान भी संघर्ष विराम को तोड़ने पर मजबूर हो जाएगा और यह संघर्ष विराम दो सप्ताह क्या एक सप्ताह भी नहीं चल पाएगा। यदि ऐसा हुआ तो एक बार फिर मिडिल ईस्ट जंग की आग में झुलसने लगेगा और इसका गंभीर दुष्परिणाम पूरी दुनिया को भुगतना पड़ेगा।

सद्गुरु बोधामृतम्
◆ हर दुःख का प्रारंभ आपकी सोच से शुरू होता है । वह सोच संभल गई तो सब संभल गया ।
◆ यदि अतीत के अस्तित्व के विषय में सोचेंगे नहीं तो दुःख हमारा कुछ बिगाड़ेगा नहीं । यही अध्यात्म है, यही परम ज्ञान है।
◆ गोविंद कुछ भी करूँ, लक्ष्य बस तू ही रहे।

आज का इतिहास

नई दिल्ली 1१868 - इथियोपिया में ब्रिटिश और भारतीय सेना ने टेवांझेज द्वितीय की सेना को हराया और इस युद्ध में 700 इथियोपियन मारे गए, जबकि सिर्फ़दो ब्रिटिश-भारतीय सैनिक शहीद हुए। 1875 - स्वामी दयानंद सरस्वती ने आर्यसमाज की स्थापना की। 1912 - टाइटेनिक ब्रिटेन के साउथेप्टन बंदरगाह से अपनी पहली और आखिरी यात्रा पर रवाना हुआ। 1916 - पहले गोल्फ टूर्नामेंट का प्रफेशनल तरीके से आयोजन। 1917 - महात्मा गांधी ने बिहार में 10 अप्रैल, 1917 को ‘चंपारण सत्याग्रह’ की शुरुआत की। 1930 - पहली बार सिंथेटिक रबर का उत्पादन हुआ। 1972 - ईरान में भूकंप से करीब 5 हजार लोगों की मौत। 1972 - जैविक हथियारों पर के विकास, उत्पादन और भंडारण पर जैविक हथियार संधि के जरिए रोक लगा दी गई। इसपर 150 से ज्यादा देशों ने हस्ताक्षर किए। 1973 - पाकिस्तान ने संधिधान में संशोधन कर जुरिफ़्कार अली भुट्टो को राष्ट्रपति के स्थान पर प्रधानमंत्री बनाया।

बस्तर 2.0: नक्सलवाद से शांति के बाद विकास का रोडमैप



अशोक कुमार साहू

बस्तर में आई शांति अचानक नहीं आई है। इसके पीछे सुरक्षा बलों के हजारों जवानों और निर्दोष नागरिकों की शहादत जुड़ी है। दशकों की हिंसा के बाद जो स्थिरता हासिल हुई है, उसे बनाए रखना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इतिहास यह भी बताता है कि केवल सुरक्षा उपाय पर्याप्त नहीं होते; यदि विकास और सामाजिक न्याय समानांतर रूप से नहीं चलते, तो अस्तंविष फिर सिर उठा सकता है।

इसी संदर्भ में ‘बस्तर 2.0’ का ब्लूप्रिंट महत्वपूर्ण हो जाता है, जो ‘सैचुरेशन, कनेक्ट, फैसिलिटेट, एम्पावर और एंगेज’ जैसी रणनीति पर आधारित है। इसका स्पष्ट संकेत है कि सरकार केवल बुनियादी ढांचे तक सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण पर भी जोर दे रही है। बस्तर की सबसे बड़ी समस्या हमेशा से कनेक्टिविटी रही है। घने जंगल, दुर्गम भौगोलिक स्थिति और कमजोर सड़क नेटवर्क ने इस क्षेत्र को विकास से दूर रखा। प्रस्तावित योजना के तहत 228 नई सड़कें और 267 पुलों का निर्माण, साथ ही प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अधूरे कार्यों को 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य, इस दिशा में बड़ा कदम है। रेल लाइन विस्तार, एयरपोर्ट विकास और इंद्रावती नदी पर बैराज निर्माण जैसी परियोजनाएं न केवल कनेक्टिविटी सुधरेंगी, बल्कि आर्थिक गतिविधियों को भी गति देंगी। यह समझना जरूरी है कि सड़क केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, बाजार और प्रशासन तक पहुंच का माध्यम भी है। बस्तर के विकास की असली कसौटी शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुधार होगी। एजुकेशन सिटी, मेडिकल कॉलेज और सुपर स्पेशलिटी अस्पताल की योजनाएं इस दिशा में सकारात्मक संकेत देती हैं। 45 पोटा केबिन स्कूलों को स्थायी भवनों में बदलने का निर्णय भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह अस्थायी व्यवस्था से स्थायी संस्थागत ढांचे की ओर संक्रमण का प्रतीक है। स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के तहत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को मजबूत करना और डॉक्टरों के लिए ट्रांजिट हॉस्टल बनाना, उन व्यावहारिक समस्याओं को



संबोधित करता है जो अब तक डॉक्टरों की कमी का कारण रही हैं। इंद्रावती नदी पर डेडरगांव और मटनार में सिंचाई परियोजनाओं से 31,840 हेक्टेयर भूमि को लाभ मिलने की संभावना है। यह केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि हजारों किसानों के जीवन में बदलाव की संभावना है। बस्तर की अर्थव्यवस्था मुख्यतः कृषि और वनोपज पर आधारित है, ऐसे में सिंचाई सुविधा का विस्तार आर्थिक स्थिरता का आधार बनेगा। सरकार की तीन वर्षीय योजना के तहत 2029 तक 85व परिवारों की आय 15,000 रुपये से बढ़ाकर 30,000 रुपये करने का लक्ष्य महत्वाकांक्षी जरूर है, लेकिन यदि इसे प्रभावी ढंग से लागू किया गया, तो यह सामाजिक बदलाव का बड़ा माध्यम बन सकता है। इसके साथ ही लघु वनोपज के मूल्य संवर्धन, स्थानीय उत्पादों के ब्रांडिंग और बाजार से जोड़ने पर भी समानांतर ध्यान देना होगा।

बस्तर प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक विविधता से समृद्ध है। चित्रकोट जलप्रपात, तीरथगढ़ जलप्रपात और कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान जैसे स्थल वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर अपनी अलग पहचान बना सकते

युद्ध के मुहाने से लौटी दुनिया



निर्णय लेने की प्रक्रिया बेहद अनिश्चित और उलझी हुई थी। अमेरिका के भीतर भी यह स्पष्ट नहीं था कि अंतिम निर्णय क्या होगा। स्वयं उसके नेतृत्व के करीबी लोगों को भी यह अंदाजा नहीं था कि अगला कदम क्या होगा। एक ओर कठोर बयान दिए जा रहे थे, तो दूसरी ओर बातचीत के रास्ते खुले रखे जा रहे थे। यह द्वंद्व इस बात को दर्शाता है कि आधुनिक राजनीति में शक्ति और कूटनीति दोनों साथ-साथ चलते हैं। ईरान के भीतर भी निर्णय लेने की प्रक्रिया जटिल थी। वहाँ की सत्ता संरचना में अंतिम निर्णय शीर्ष नेतृत्व के हाथ में होता है। इस कारण अंतिम सहमति मिलने में समय लगा। लेकिन जब अंततः समझौते की दिशा में आगे बढ़ने का संकेत मिला, तो बातचीत ने तेजी पकड़ ली। बताया जाता है कि यह निर्णय आसान नहीं था, क्योंकि इसमें सैन्य नेतृत्व और अन्य शक्तिशाली संस्थाओं को भी सहमत करना पड़ा। इसके बावजूद यह कदम उठाया गया, जो इस बात का संकेत है कि युद्ध की कीमत दोनों पक्ष समझ रहे थे। अंततः जो समझौता सामने आया, वह स्थायी शांति नहीं बल्कि अस्थायी विराम था। दोनों पक्षों ने कुछ समय के लिए संघर्ष रोकने पर सहमति जताई। इस समझौते के तहत समुद्री

पाठकों की बात		पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया								
 वोटरों को लुभा रहा फिर से खूबाब झूटा दिखा रहा फिर से मौगता और वकूत फिर देखो कैसे मूर्ख बना रहा फिर से जो बढ़ाता है रोज़ मँहगाई बारहा अब रुला रहा फिर से लौट आओ पुराने दिन मेरे ये न वा'दा निभा रहा फिर से अब भरोसा नहीं करे इस्पर और सपने दिखा रहा फिर से मुल्क को बँच देगा इंक दिन ये सबसे सच ये खु़या रहा फिर से वोट से जौच करे लोंगों रोज़ नफ़्त बढ़ा रहा फिर से ये तो बहुरूपिया है 'ऐनेल' जी अश्क झूटा बहा रहा फिर से। 'ऐनेल' बरोलवी	इश्क में यह निसाब क्या है फ़कीर क्या है नवाब क्या है यह बिन सिखाये हुआ है इसमें सवाल क्या है जवाब क्या है वफ़ की मंजिल के राहियों से मसाफ़ों का हिसाब क्या है यह जर्द चेहरा ,ये गुर्क आँखें यह जगती आंखों में खूवाब क्या है बिछड़ के तुमसे भी जी रहे हैं इससे बढ़ कर अज़ाब क्या है। – अनु मित्तल		 ईरान नुकसान का harjana मांग रहा है। ऐसे में इस्ाइल को भी ईरान से मांग करनी चाहिए। ईरान के हमले से उसका भी नुकसान हुआ है इसके साथ ही अरब देशों को भी ईरान से मांग करनी चाहिए उनका ईरान ने बहुत नुकसान किया है। ऐसे में ईरान आयेगा बैकफुट में। – एल.एस. बिष्ट	 जिसने दुकान देखी हो तेरी हरी भरी फुटपाथ जैसा इश्क उसे भाएगा कहीं अहसान पर जताना है तो चुप ही ठीक है जा हमसे दूर, देखते हैं जाएगा कहीं ? मैं सोचती थी तू है जुदा दुनिया से बहुत मुझसे जुदा हो जाएगा, ये सोचा था कहीं। – ममता लड़ीवाल						

राशि फल



पं. देवव्रत शर्मा

दिलाने वाले ही रहेगें।
वृष : आज आपके मन मे बड़ी-बड़ी योजनाए चलती रहेगी लेकिन आज शारीरिक अस्वस्थता कार्यों में बाधा डालेगी। स्फूर्ति की कमी प्रातः काल से ही बनेगी दैनिक कार्यों को भी लाचारी में करना पड़ेगा।
मिथुन : आज आपको हर जगह अलुकुल वातावरण मिलेगा परन्तु आज एक साथ कई काम आने से दुविधा में पड़ जाएंगे जिससे विलंब होगा।
कर्क : आज आप अपने बुद्धि एवं कार्य कौशल से लगे रहेंगे।
सिंह : आज आप अपने बुद्धि एवं कार्य कौशल से लगे रहेंगे।

लेकिन प्रत्येक क्रिया को संदेह की दृष्टि से देखने के कारण किसी से झगड़ा भी हो सकता है।

सिंह: आज के दिन आपके मन के विपरीत घटनायें घटित होंगी जिससे मन कुछ समय के लिये विचलित होगा लेकिन आज आपकी विवेक शक्ति प्रखर रहने से हर प्रकार की परिस्थितियों का सामना करने का साहस रहेगा।

कन्या: आज के दिन परिस्थितियां बाधा डालने वाली बन रही है आवश्यक कार्यों को टालना ही बेहतर रहेगा।। आज किसी ना किसी रूप में धन हानि की संभावना है।
तुला: आज का दिन आप सुख-शांति से बिताएंगे। कार्य व्यवसाय में कम मेहनत के बाद भी अधिक लाभ होने से आर्थिक पक्ष पहले से बेहतर बनेगा।
वृश्चिक: आज के दिन आप भागदौड़ की जिंदगी को छोड़ पैर से समय व्यतीत करना पसंद करेंगे लेकिन आकस्मिक कार्य आने से आपकी यह

कामना पूरी नहीं हो सकेगी।।

धनु: आज के दिन आप काम-काज से मन घुसेंगे।। घरेलू कार्य भी आज आपको आप्ना ही लगेंगे इसकी जगह मौन शौक यात्रा पर्यटन की तर्फ ज्यादा आकर्षित होंगे जहां आवश्यकता नहीं वह भी खर्च जाएंगे।

मकर: आज का दिन आपके लिए कष्ट साध्य रहेगा। आज आप जिस किसी से भी सीधी बात करेंगे उसका उत्तर ही जवाब मिलेगा। परिवाद में आज किसी पुराने विवाद को लेकर आपस में झड़प हो सकती है।

कुंभ: आज का दिन लाभदायक रहेगा। प्रातः काल का समय आलस्य में खराब होगा परन्तु इसके बाद कहीं से प्रसन्नता दायक समाचार मिलेंगे। कार्य क्षेत्र पर आज आप मथ्यान तक कि गतिविधियों से दिन भर का लाभ कमा लेंगे।

मीन: आज आप जो भी कार्य करेंगे वह अपना हो या किसी अन्य का उसने सफलता अंशय मिलेगी।।

QUIZ TIME

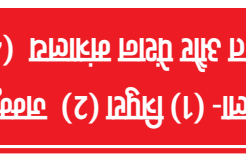
1) माताबेरी पेरा और पघरा, जिन्हें हाल ही में जीआई टैग मिला है, किस राज्य से संबंधित है?

2) हाल ही में खबरों में देखे गए होकेसर वेटलैंड का कौन से राज्य/केंद्रशासित प्रदेश में स्थित है?

3) राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस अवाइर्स योजना के लिए नोडल मंत्रालय कौन सा है?

4) 1980 में भारत में कितने बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया गया था?

5) हाल ही में दिवंगत हुए राजगोपाल चिदंबरम किस क्षेत्र से जुड़े थे?



कुसुमाक्षर लक्ष्मणलाल (५) 9 (१) लक्ष्मण लाल लक्ष्मणलाल कालू 'कुमुदाक (६) लक्ष्मण लक्ष्मणलाल (७) लक्ष्मी (१) -लक्ष्मणलाल

हैं। कैनेपी वॉक, ग्लास ब्रिज और एडवेंचर टूरिज्म जैसी परियोजनाएं इस दिशा में नए आयाम जोड़ सकती हैं।

‘बस्तर ओलंपिक’ और ‘बस्तर पंडुम’ जैसे आयोजन स्थानीय संस्कृति को राष्ट्रीय मंच पर लाने का प्रयास हैं। इससे न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि स्थानीय युवाओं को भी नई पहचान और अवसर मिलेंगे। बस्तर के वर्तमान को समझने के लिए उसके अतीत को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। 2005 में शुरू हुआ सलवा जुद्धम अभियान, जो नक्सलवाद के खिलाफजन आंदोलन के रूप में शुरू हुआ था, समय के साथ विवादों में घिर गया। बड़े पैमाने पर विस्थापन, मानवाधिकार उल्लंघन और सामाजिक विभाजन ने इसे एक असफल प्रयोग बना दिया। इसी तरह 2013 का झीरम घाटी हमला, जिसमें महेंद्र कर्मा, नंद कुमार पटेल और विद्याचरण शुक्ल जैसे वरिष्ठ नेताओं समेत 32 लोगों की जान गई, बस्तर के इतिहास का सबसे दर्दनाक अध्याय है। यह घटना केवल एक हमला नहीं थी, बल्कि उस समय नक्सलियों की ताकत और राज्य की सीमाओं का प्रतीक थी।

इन घटनाओं से सबसे बड़ी सीख यह मिलती है कि किसी भी समस्या का समाधान केवल बल प्रयोग से नहीं, बल्कि संवेदनशील और समावेशी दृष्टिकोण से ही संभव है। नक्सलवाद के कमजोर पड़ने के बाद सबसे बड़ी चुनौती आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के पुनर्वास की भी है। केवल आर्थिक सहायता देना पर्याप्त नहीं होगा। उन्हें शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार से जोड़ना होगा। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण है समाज में उनकी स्वीकार्यता सुनिश्चित करना, ताकि वे फिर से हिंसा की ओर न लौटें। इसके साथ ही आदिवासी समुदाय को उनके वन अधिकारों का पूर्ण लाभ देना, उनकी सांस्कृतिक पहचान का सम्मान करना और उन्हें विकास प्रक्रिया में भागीदार बनाना अनिवार्य है। ‘बस्तर मुझे’ जैसे कार्यक्रम यदि ईमानदारी से लागू होते हैं, तो वे शासन और जनता के बीच भरोसे की खाई को पाट सकते हैं।

मार्ग को फिर से खोलने और आगे की बातचीत जारी रखने का रास्ता बनाया गया। यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण था क्योंकि इस मार्ग से विश्व का बड़ा हिस्सा तेल आपूर्ति पर निर्भर करता है। यदि यह बंद रहता, तो वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ता। हालाँकि यह समझौता होने के बाद भी स्थिति पूरी तरह शांत नहीं हुई। कई जगहों पर संघर्ष जारी रहने की खबरें सामने आईं और इस बात को लेकर भी मतभेद रहे कि समझौते की शर्तें क्या हैं और उनका पालन कैसे किया जाएगा। इससे यह स्पष्ट होता है कि यह केवल एक अस्थायी राहत है, न कि स्थायी समाधान। दोनों पक्षों के बीच कई ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर अभी भी गहरे मतभेद हैं, जैसे परमाणु कार्यक्रम, प्रतिबंध और क्षेत्रीय प्रभाव। इस पूरे घटनाक्रम से एक महत्वपूर्ण बात सामने आती है कि आधुनिक युद्ध केवल हथियारों से नहीं, बल्कि कूटनीति में भी लड़े जाते हैं। कई बार पदों के पीछे होने वाली बातचीत ही युद्ध को टाल देती है। इस मामले में भी अंतिम क्षणों में हुई बातचीत ने एक बड़े विनाश को रोक दिया। यदि यह बातचीत विफल हो जाती, तो परिणाम बेहद भयावह हो सकते थे। यह भी ध्यान देने योग्य है कि इस संकट में कई देशों ने सक्रिय भूमिका निभाई। यह दर्शाता है कि आज की दुनिया में कोई भी बड़ा संघर्ष केवल दो देशों तक सीमित नहीं रहता। उसका प्रभाव वैश्विक होना है और उसे सुलझाने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग आवश्यक होता है। इसी सहयोग ने इस बार भी युद्ध को टालने में मदद की। फिर भी यह सवाल बना हुआ है कि क्या यह शांति स्थायी होगी। इतिहास बताता है कि अस्थायी समझौते अक्सर स्थायी समाधान में बदलने में सफल नहीं होते। जब तक मूल कारणों का समाधान नहीं होता, तब तक संघर्ष की संभावना बनी रहती है। इस मामले में भी कई ऐसे मुद्दे हैं, जिनका समाधान अभी बाकी है। यदि इन पर सहमति नहीं बनती, तो भविष्य में फिर से तनाव बढ़ सकता है। अंत में यह कहा जा सकता है कि यह घटना केवल एक राजनीतिक या सैन्य घटनाक्रम नहीं है, बल्कि यह मानवता के लिए एक चेतावनी भी है।



होम्योपैथी : सूक्ष्मता की शक्ति, स्वास्थ्य की व्यापकता



प्राकृतिक और सुरक्षित उपचार का मार्गः विश्व होम्योपैथी दिवस

होम्योपैथी केवल दवा देने का तरीका नहीं, बल्कि शरीर को भीतर से सशक्त बनाने का विज्ञान है। डॉ. सैमुअल हैनीमैन के सिद्धांतों पर आधारित यह पद्धति बिना किसी दुष्प्रभाव के जटिल से जटिल रोगों को जड़ से मिटाने की क्षमता रखती है। आज के तनावपूर्ण जीवन में, होम्योपैथी एक स्वस्थ भविष्य की आशा है। आइए, इस पद्धति को अपनाएं और एक स्वस्थ समाज का निर्माण करें।

प्रतिवर्ष 10 अप्रैल को 'होम्योपैथी' के जनक माने जाने वाले जर्मन मूल के चिकित्सक, महान विद्वान, शोधकर्ता, भाषाविद और उत्कृष्ट वैज्ञानिक डा. क्रिश्चियन प्रेंडरिक सैमुअल हैनीमैन के जन्मदिवस के अवसर पर 'विश्व होम्योपैथी दिवस' मनाया जाता है। होम्योपैथी को आधार बनाने के सिद्धांत से चिकित्सा विज्ञान की एक पूरी प्रणाली को प्राप्त करने का श्रेय डा. हैनीमैन को ही जाता है। इसीलिए उनके जन्मदिवस को 'विश्व होम्योपैथी दिवस' के रूप में मनाया जाता है। इस दिवस के आयोजन का उद्देश्य चिकित्सा की इस अमूल्य प्रणाली के बारे में लोगों में जागरूकता पैदा करने के साथ-साथ प्रत्येक व्यक्ति तक इसकी पहुंच की सफ़लता दर को आसानी से बेहतर बनाना है। 10 अप्रैल 1755 को जन्मे डा. हैनीमैन के पास एमडी की डिग्री थी लेकिन उन्होंने नहीं अनुवादक के रूप में कार्य करने के लिए अपनी नौकरी छोड़ दी थी। उसके बाद उन्होंने अंग्रेजी, फ़्रेंसीसी, इतालवी, ग्रीक, लैटिन इत्यादि कई भाषाओं में चिकित्सा, वैज्ञानिक

पाठ्यपुस्तकों को सीखा। होम्योपैथी एक ऐसी चिकित्सा पद्धति है, जो औषधियों तथा उनके अनुप्रयोग पर आधारित है। देश में प्रतिवर्ष केन्द्रीय आयुष मंत्रालय होम्योपैथी दिवस की थीम निर्धारित करता है और देशभर में यह विशेष दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष विश्व होम्योपैथी दिवस 'सतत स्वास्थ्य के लिए होम्योपैथी' विषय के साथ मनाया जा रहा है। विश्व होम्योपैथी दिवस के अवसर पर इस वर्ष डा. हैनीमैन की 271वीं जयंती मनाई जा रही है। इस दिवस के आयोजन का प्रमुख उद्देश्य भारत सहित दुनियाभर में होम्योपैथी औषधियों की सुरक्षा, गुणवत्ता और प्रभावकारिता को मजबूत करना, होम्योपैथी को आगे ले जाने की चुनौतियों और भविष्य की रणनीतियों को समझना, राष्ट्रीय नीतियों के विकास की रणनीति तैयार करना, अंतरपद्धति एवं अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान सहयोग, उच्चस्तरिय गुणवत्तापरक चिकित्सा शिक्षा, प्रमाण आधारित चिकित्सा कार्य और विभिन्न देशों में होम्योपैथी को स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं में समुचित



स्थान दिलाकर सार्वभौमिक स्वास्थ्य के लक्ष्य को प्राप्त करना है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का भी मानना है कि वैकल्पिक और परम्परागत औषधियों को बढ़ावा दिए बगैर सार्वभौमिक स्वास्थ्य के लक्ष्य को प्राप्त नहीं किया जा सकता और वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों में विश्व में होम्योपैथी का प्रमुख स्थान है।

अपनी कुछ अलग ही विशेषताओं के कारण होम्योपैथी आज विश्वभर में सौ से भी अधिक देशों में अपनाई जा रही है तथा भारत तो होम्योपैथी के क्षेत्र में विश्व का अग्रणी देश है। दरअसल होम्योपैथी दवाओं को विभिन्न संक्रमित और गैर संक्रमित बीमारियों के

अलावा बच्चों और महिलाओं की बीमारियों में भी विशेष रूप से प्रभावी माना जाता है। हालांकि होम्योपैथिक दवाओं के बारे में धारणा है कि इन दवाओं का असर रोगी पर धीरे-धीरे होता है लेकिन इस चिकित्सा प्रणाली की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि यह रोगों को जड़ से दूर करती है और इन दवाओं के साइड इफेक्ट भी नहीं के बराबर होते हैं। होम्योपैथी दवाएं प्रत्येक व्यक्ति पर अलग तरीके से काम करती है और अलग-अलग व्यक्तियों पर इनका असर भी अलग ही होता है। होम्योपैथी चिकित्सकों की मानें तो डायरिया, सर्दी-जुकाम, बुखार जैसी बीमारियों में होम्योपैथी दवाएं एलोपैथी

दवाओं की ही भांति तीव्रता से काम करती हैं लेकिन अस्थमा, गठिया, त्वचा रोगों इत्यादि को ठीक करने में ये दवाएं काफी समय तो लेती हैं मगर इन रोगों को जड़ से खत्म कर देती हैं। होम्योपैथी के बारे में सरदार वल्लभभाई पटेल का कहना था कि होम्योपैथी को चमत्कार के रूप में माना जाता है। केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद के अनुसार चिकित्सा का ही एक वैकल्पिक रूप है होम्योपैथी, जो 'समः समम् शमयति' अथवा 'समरूपता' दवा सिद्धांत पर आधारित है, जो दवाओं द्वारा रोगी का उपचार करने की ऐसी विधि है, जिसमें किसी स्वस्थ व्यक्ति में प्राकृतिक रोग का अनुरूपण करके समान लक्षण उत्पन्न किया जाता है, जिससे रोगग्रस्त व्यक्ति का उपचार किया जा सकता है।

भारत में होम्योपैथी सबसे लोकप्रिय चिकित्सा प्रणालियों में से एक है। देशभर में 210 से ज्यादा होम्योपैथी अस्पताल, 8 हजार से ज्यादा होम्योपैथी डिस्पेंसरी और करीब तीन लाख होम्योपैथी प्रैक्टिशनर हैं। भारत में आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में विश्व होम्योपैथी दिवस मनाया जाता है। दिखने में भले ही होम्योपैथी दवाएं एक जैसी लगती हैं किन्तु वास्तव में विश्वभर में होम्योपैथी की 4000 से भी ज्यादा तरह की दवाएं हैं। होम्योपैथी के संस्थापक माने जाने वाले सैमुअल हैनीमैन का कहना था कि इलाज का उच्चतम आवर्ध सबसे भरोसेमंद और कम से कम हानिकारक तरीके से स्वास्थ्य की तेज,

कोमल और स्थायी बहाली है। चूंकि होम्योपैथी की अनेक दवाओं का प्रभाव रोगी के शरीर पर अपेक्षाकृत धीमी गति से प्रकट होता है जबकि एलोपैथी त्वरित राहत देने के लिए जानी जाती है, इसलिए लोकप्रियता के पैमाने पर दोनों पद्धतियों की तुलना अक्सर की जाती है। फिर भी यह तथ्य महत्वपूर्ण है कि होम्योपैथी आज भी विश्वभर में सबसे अधिक प्रचलित वैकल्पिक चिकित्सा प्रणालियों में शामिल है।

इसका कारण केवल इसकी सुलभता या कम लागत नहीं बल्कि इसकी वह विशिष्ट उपचार पद्धति है, जो शरीर को स्वयं को संतुलित और स्वस्थ करने की दिशा में प्रेरित करती है। होम्योपैथिक उपचार रोग के लक्षणों को दबाने के बजाय उसके मूल कारण तक पहुंचने का प्रयास करता है, जिससे रोग की पुनरावृत्ति की संभावना भी कम हो जाती है। यह पद्धति व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक पहलुओं को एक साथ ध्यान में रखती है, जिससे उपचार अधिक समग्र और प्रभावी बनता है। साथ ही, प्राकृतिक स्रोतों से निर्मित और अत्यंत सूक्ष्म मात्रा में दी जाने वाली दवाएं सामान्यतः दुष्प्रभाव रहित मानी जाती हैं तथा अन्य दवाओं के साथ प्रतिकूल प्रतिक्रिया की संभावना भी न्यूनतम होती है। यही कारण है कि आज के जटिल और दुष्प्रभाव-प्रधान चिकित्सा परिवेश में होम्योपैथी एक सुरक्षित, संतुलित और दीर्घकालिक स्वास्थ्य समाधान के रूप में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रही है।

दिल्ली विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली/ए।। दिल्ली विधानसभा को आज बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद राजधानी में हड़कंप मच गया। इस धमकी के मद्देनजर, दिल्ली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए विधानसभा परिसर, सचिवालय, कई स्कूलों और एक मेट्रो स्टेशन पर बड़े पैमाने पर सुरक्षा अभ्यास शुरू कर दिया है। यह धमकी भरा ईमेल गुरुवार सुबह 8:14 पर विधानसभा से जुड़े कई सरकारी और अन्य इनबॉक्स में पहुंचा। ईमेल में दिन के विभिन्न समयों पर विधानसभा, सचिवालय, कुछ स्कूलों और एक मेट्रो स्टेशन पर संभावित विस्फोटों की चेतावनी दी गई थी। सूचना मिलते ही, दिल्ली पुलिस ने तुरंत टीमों के साथ मिलकर विधानसभा परिसर, सचिवालय, लखित स्कूलों और मेट्रो स्टेशनों पर व्यापक एंटी-सबोटेज जांच शुरू कर दी।

इजरायली हवाई हमलों में 254 की मौत

मास्को(सुप्तनिक/वार्ता)। लेबनान पर इजरायली हवाई हमलों में कम से कम 254 लोग मारे गए और 1,165 अन्य घायल हो गए। यह जानकारी अल जज़ीरा ने लेबनानी नागरिक सुरक्षा के हवाले से गुरुवार को दी। बुधवार को, इजरायली विमानों ने मध्य बेकत के मजरा, मनारा, ऐन एल मरेसेह और बरबोर इलाकों के साथ-साथ दक्षिणी उपनगरों के आठ इलाकों पर हमला किया।

टीएमसी के पाप का घड़ा भर गया, बंगाल में सत्ता परिवर्तन अब अपरिहार्य : मोदी

कोलकाता/ए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को जोर दिया कि पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन अपरिहार्य है, क्योंकि तृणमूल कांग्रेस के "पाप का घड़ा" भर गया है। उन्होंने राज्य के "आर्थिक पतन" का उल्लेख करते हुए कहा, "राष्ट्रीय जोड़ीपी (सकल घरेलू उत्पाद) में बंगाल का योगदान पहले के 12 प्रतिशत से घटकर मात्र पांच प्रतिशत रह गया है।"

पीएम मोदी ने कहा कि केंद्र ने आसनसोल में उद्योगों के पुनरुद्धार के लिए 45,000 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया, "तृणमूल ने बंगाल पर कहरता की है, जबकि भाजपा ने सत्ताधारी दल द्वारा खड़ी की गई बाधाओं के बावजूद आसनसोल का विकास किया।"

पीएम मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि आसनसोल और दुर्गापुर दोनों



में 'मेगासिटी' बनने की क्षमता है, और आश्वासन दिया कि भारतीय जनता पार्टी नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन

'बंगाल की प्रगति के लिए टीएमसी से मुक्ति जरूरी'

पीएम मोदी ने कहा कि बंगाल की प्रगति के लिए टीएमसी से मुक्ति जरूरी है, क्योंकि आज जब पूरा देश तेज रफ्तार से आगे बढ़ रहा है, तब टीएमसी बंगाल को पीछे धकेलने में लगी है। यहां के संसाधन, यहां की संभावनाएं और नौजवानों के अवसर, सब पर टीएमसी के गुंडों का कब्जा है। बंगाल की जो संपत्ति विकास के काम आनी चाहिए, उसकी खुली लूट हो रही है।

टीएमसी पर बरसे पीएम

पीएम मोदी ने कहा, "बंगाल में सत्ता परिवर्तन अब अपरिहार्य है और बंगाल की जनता यही चाहती है। तृणमूल के पाप का घड़ा भर चुका है। आसनसोल पर सिंडिकेट राज, कोयला और रेत माफिया का राज है।" उन्होंने दावा किया कि सत्ता परिवर्तन के बाद पश्चिम बंगाल नयी ऊंचाइयों को छुएगा। मोदी ने कहा, "कभी समृद्ध औद्योगिक क्षेत्र रहे आसनसोल से निवेश खत्म हो चुका है। केवल भाजपा की 'डबल इंजन' सरकार ही इसे सुधार सकती है।"

सरकार उस विकास को साकार करेगी। उन्होंने दावा किया कि 'एसिड अटैक के मामलों में बंगाल सबसे ही महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित कर आगे है।" पीएम मोदी ने कहा,

"तृणमूल महिलाओं को प्रताड़ित करने वालों के साथ खड़ी है। केवल भाजपा ही महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकती है।"

फटाफट तेल के टैंकर भेजो, सीजफायर का पूरा फायदा उठाने की तैयारी में भारत



नई दिल्ली/ए। पश्चिम एशिया में सीजफ़ायर कभी भी टूट सकता है। ईरान ने अमेरिका पर सीजफ़ायर का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। इस बीच भारत ने ईरान से जल्दी-जल्दी तेल और गैस के टैंकर भेजने को कहा है। भारत दो हफ्ते के सीजफ़ायर का पूरा फ़ायदा उठाना चाहता है। उसकी योजना इस दौरान अपना स्टॉक पूरन करने की है। शिपिंग मिनिस्ट्री के एक अधिकारी ने ईटी से यह बात कही। होर्मुज की खाड़ी से जहाजों की आवाजाही बंद होने के कारण देश

फीस वसूलने प्रस्ताव

इंडस्ट्री एक अधिकारी ने कहा कि जब तक फाइनल डील नहीं हो जाती है, ईरान होर्मुज की खाड़ी में सामान्य ट्रैफ़िक बहाल नहीं होने देगा। अगर कोई जहाज वहां से निकल भी जाता है तो उसे वापस भेजना आसान नहीं होगा। इसकी वजह यह है कि वहां फिर से फंसने का खतरा है। सीजफ़ायर की शर्तों में ईरान ने होर्मुज की खाड़ी से गुजरने वाले जहाजों से ट्रांजिट फ़ीस वसूलने का प्रस्ताव दिया है।

में तेल और गैस की सप्लाई टाइट हो गई है। भारत अपना ज्यादातर तेल और गैस पश्चिम एशिया से ही खरीदता है। जानकारों का कहना है कि होर्मुज स्ट्रेट से तेल की सप्लाई सामान्य होने में कम से कम तीन महीने का समय लग सकता है। भारत के 16 शिप फ़रस की खाड़ी में अटके हुए हैं जबकि आठ एलपीजी टैंकर हाल में होर्मुज की खाड़ी से गुजरे हैं। कुल मिलाकर

800 जहाज उस इलाके में फंसे हुए हैं। यही वजह है कि इस बैकलॉग को क्लियर करने में समय लग सकता है। भारतीय रिफ़ाइनरी कंपनियां तेजी से सप्लाई चाहती हैं लेकिन अधिकारियों का कहना है कि इसमें समय लग सकता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हमारी इस मुद्दे पर ईरान के साथ कोई चर्चा नहीं हुई है।

अजित पवार को कांग्रेस की श्रद्धांजलि, नहीं लड़ेंगे बारामती

मुंबई/वार्ता। महाराष्ट्र की राजनीति में बारामती विधानसभा उपचुनाव को लेकर बड़ा मोड़ आया है। कांग्रेस ने एलान किया है कि वह इस उपचुनाव में हिस्सा नहीं लेगी। यह फैसला पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन के बाद सम्मान जताने के तौर पर लिया गया है। इस निर्णय के बाद अब बारामती सीट पर चुनाव का माहौल पूरी तरह बदल गया है। दरअसल, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश चेन्नाथाला ने साफ कहा कि पार्टी ने अपने उम्मीदवार को मैदान से हटाने का निर्देश दे दिया है। कांग्रेस के उम्मीदवार आकाश मोरे ने नामांकन दाखिल किया था, लेकिन अब उसे वापस लिया जाएगा। नामांकन वापस लेने का आज आखिरी दिन था, इसलिए यह फैसला अहम माना जा रहा है।

कांग्रेस ने कहा कि यह उपचुनाव अजित पवार के दुःख निधन के कारण हो रहा है, इसलिए पार्टी ने सम्मान के तौर पर चुनाव नहीं लड़ने का निर्णय लिया। पार्टी का मानना है कि ऐसे समय में राजनीतिक मुकाबले से दूर रहना उचित है। यह कदम राजनीतिक मर्यादा और संवेदनशीलता को ध्यान में रखकर उठाया गया है। इस फैसले से पहले कई नेताओं ने कांग्रेस से चुनाव न लड़ने की अपील की थी। शरद पवार, सुप्रिया सुले और रोहित पवार समेत कई नेताओं ने कांग्रेस से उपचुनाव को निर्विवाद कराने की मांग की थी। उन्होंने कहा था कि यह चुनाव एक दुःखद घटना के बाद हो रहा है, इसलिए इसे सम्मानजनक तरीके से होना चाहिए।

यूएस से समझौते के लिए ईरान ने यूरेनियम संवर्धन बचाए रखने की रखी अनिवार्य शर्त

तेहरान/ए।। ईरान और अमेरिका के बीच जारी तनाव और इस बीच घोषित युद्धविराम अब एक नाजुक मोड़ पर खड़ा है। ईरान की परमाणु एजेंसी के प्रमुख मोहम्मद इस्लामी ने गुरुवार को स्पष्ट कर दिया कि परमाणु कार्यक्रम के तहत यूरेनियम संवर्धन का अधिकार बचाए रखना अमेरिका के साथ किसी भी समझौते के लिए अनिवार्य शर्त है।

हालांकि, सिर्फ यही कारण नहीं हैं। इससे पहले युद्धविराम की घोषणा के कुछ ही घंटों बाद इस्लाम ने लेबनान की राजधानी बेरूत पर जोरदार हमले किए। बुधवार का दिन इस युद्ध का सबसे खूनी दिन साबित हुआ। इस्लामी हमले में 250 से अधिक लोग मारे गए। ईरान का दावा है



कि युद्धविराम में लेबनान भी शामिल था, जबकि इस्लाम और अमेरिका इससे इनकार कर रहे हैं।

इसके इतर, दुनिया के 20 फ़ैसदी तेल व्यापार के लिए अहम होर्मुज पर ईरान का नियंत्रण बरकरार है। लेबनान पर हुए हमले के बाद ईरान ने इसे फिर से बंद कर दिया है। ईरानी एजेंसियों ने संकेत दिए हैं कि अगर लेबनान पर हमले नहीं रोके गए तो होर्मुज को पूरी तरह से बंद कर दिया जाएगा। दूसरी ओर ट्रंप ने एक बार फिर से चेतावनी दी है।

पाकिस्तान की भूमिका पर उठ रहे सवाल

28 फ़रवरी से शुरू हुए इस भीषण युद्ध को रोकने के लिए जिस युद्धविराम की घोषणा की गई थी, वह पिछला लड़खड़ाता नजर आ रहा है। दरअसल, पाकिस्तान में नियुक्त ईरानी राजदूत रजा अमीरी मुगाद्म ने इस्लामाबाद में अमेरिका-ईरान के बीच सीजफ़ायर वार्ता के लिए प्रतिनिधिमंडल के आगमन वाली सोशल मीडिया पोस्ट हटा दी। यह पोस्ट हटाय जाने के बाद वार्ता के आयोजन पर संशय और सस्पेंस गहरा गया है, जिससे पाकिस्तान की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं।

प. एशिया संकट चिंता का कारण, विश्व बैंक ने भारत की वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाया

नई दिल्ली(वार्ता)। विश्व बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान मामूली बढ़ाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। बैंक ने कहा कि भारत की वृद्धि मजबूत घरेलू मांग और निर्यात में मजबूती के कारण बनी हुई है, लेकिन पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के असर से आर्थिक वृद्धि पर दबाव पड़ सकता है। विश्व बैंक (World Bank) की रिपोर्ट के अनुसार, भारत की आर्थिक वृद्धि वित्त वर्ष 2024-25 में 7.1 प्रतिशत थी और वित्त वर्ष 2025-26 में यह बढ़कर 7.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है। वृद्धि के पीछे मुख्य कारण घरेलू उपभोग में तेजी और निर्यात में मजबूती है। निजी उपभोग विशेष रूप से मजबूत रहा, जिसका श्रेय कम मुद्रास्फीति और माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के युक्तिकरण को दिया गया है।



पश्चिम एशिया संकट का प्रभाव

विश्व बैंक ने कहा कि 2026-27 में वृद्धि दर घटकर 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण उत्पन्न अनिश्चितताओं को दर्शाता है। 28 फ़रवरी को अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर सैन्य कार्रवाई की थी, जिसके बाद ईरान ने जवाबी हमला किया। हालांकि, 8 अप्रैल को तीनों देशों के बीच दो सप्ताह का युद्धविराम तय हुआ, जिससे वैश्विक ऊर्जा बाजार में कुछ राहत की उम्मीद बढ़ी।

भारत की वृद्धि दर को लेकर

विभिन्न संस्थाओं के अनुमान थोड़े अलग हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने वृद्धि दर 6.9 प्रतिशत, आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन ने 6.1 प्रतिशत, और मूडीज रेटिंग्स ने 6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। जनवरी में विश्व बैंक ने अपनी 'ग्लोबल इकोनॉमिक प्रॉस्पेक्ट्स रिपोर्ट' में भारत की वृद्धि दर 2026-27 के लिए 6.5 प्रतिशत बताई थी। विश्व बैंक ने यह भी कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में जीएसटी दरों में कटौती से उपभोक्ता मांग को बढ़ावा मिलेगा। इससे घरेलू खर्च और खरीदारी में सहारा मिलेगा। लेकिन उच्च वैश्विक ऊर्जा कीमतें महंगाई बढ़ा सकती हैं और परिवारों की उपलब्ध आय पर दबाव डाल सकती हैं। रिपोर्ट में बताया गया कि रसोई गैस और उर्वरक पर अधिक सस्पेंडी के कारण सरकारी खर्च में वृद्धि धीमी रहेगी।

नेशनल क्रिकेट एकेडमी के अंडर 19 हेतु महक नरवसे का चयन



रायपुर/नवप्रदेश। बंगलुरु में 27 अप्रैल 2026 को शुरू होने वाले नेशनल क्रिकेट एकेडमी के अंडर 19 (महिला) एलिट कैंप हेतु छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ से महक नरवसे का हुआ चयन। ऑल राउंडर का चयन किया गया है। उक्त कैंप दिनांक 27 अप्रैल 2026 से 23 मई 2026 तक बंगलुरु में आयोजित किया जाएगा। उक्त खिलाड़ी बीसीसीआई के विशेषज्ञों के अधिन प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे, जिसमें तकनीकी तथा पारिरिक प्रशिक्षण भी सम्मिलित है।

इस गर्मी समझदारी से खाएँ इस प्रोटीन से भरपूर डाइट के साथ

गर्मी इस बार जल्दी आ गई है, और बीच ट्रिप्स सामने हैं, ऐसे में अपनी फिटनेस रूटीन शुरू करने का यह बिल्कुल सही समय है। जहाँ जिम सेशन जरूरी हैं, वहीं डाइट भी स्वस्थ शरीर का वजन बनाए रखने और उसे बेहतर आकार देने में उतनी ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। रितिका समद्वार, रीजनल हेड डाइटेटिक्स मैक्स हेल्थकेयर डू नई दिल्ली कैलिफ़ोर्निया वादाय, ग्रीक योगर्ट और सैल्मन से भरपूर इस आसान, प्रोटीन से भरपूर प्लान की सिफारिश करती हैं।

सुबह की शुरुआत: कैलिफ़ोर्निया वादाम और उबले अंडे

अपने दिन की शुरुआत कुछ कैलिफ़ोर्निया वादाम के साथ करें। प्रोटीन, हेल्दी फैट, विटामिन ई और मैग्नीशियम से भरपूर ये वादाम ऊर्जा के स्तर को बनाए रखने में मदद करते



हैं, बिना अचानक ऊर्जा बढ़ने के। यह किसी भी फिटनेस-फोकस्ड डाइट के लिए एक बेहतरीन जोड़ है।

इन्हें दो उबले अंडों के साथ मिलाएं ताकि आपको पूरा प्रोटीन मिल सके। यह कॉम्बिनेशन पोटैबल, पेट भरने वाला और व्यस्त सुबहों के लिए परफेक्ट है।

दोपहर का भोजन: ग्रिल्ड चिकन ब्रेस्ट सलाद

ग्रिल्ड चिकन ब्रेस्ट को मिवस्ड ग्रीन्स, चेरी टमाटर और खीरे के साथ टॉस करें। यह

हेल्दी मील आपको लीन प्रोटीन, फाइबर और सब्जियों से हाइड्रेशन देता है, जिससे आप हल्का महसूस करें और दोपहर तक ताजगी और संतुष्टि बनी रहे।

शाम का नाश्ता: चिया सीड्स के साथ ग्रीक योगर्ट

दोपहर के अंत में अपनी ऊर्जा को फिर से बढ़ाएँ, एक टीस्पून चिया सीड्स के साथ ग्रीक योगर्ट के साथ। यह नाश्ता आपके पेट के स्वास्थ्य के लिए प्रोबायोटिक्स, लंबे समय तक ऊर्जा और ताजगी देने वाला

ठंडक प्रभाव प्रदान करता है।

रात का खाना: किनोआ के साथ बेव्ड सैल्मन

दिन का अंत करें बेव्ड सैल्मन फ्लैट के साथ, जिसे किनोआ और स्टीम्ड ब्रोकली के साथ सर्व करें। यह न्यूट्रिएंट्स से भरपूर प्लेट ओमेगा-3 फैटी एसिड्स प्रदान करती है, जो त्वचा के स्वास्थ्य, सुजन कम करने वाले लाभ और पूरी प्रोटीन सप्लाई के लिए मददगार हैं, जिससे रात भर मांसपेशियों की मरम्मत हो सके।

यह सरल रूटीन मांसपेशियों के निर्माण का समर्थन करने, भूख को नियंत्रित करने और वजन प्रबंधन में मदद करने पर जोर देता है। दोपहर में भारी कार्ब्स से बचें क्योंकि इन्हें पचाना मुश्किल होता है।खाने में मात्रा पर नियंत्रण रखें, पर्याप्त पानी पिएँ और हल्का व्यायाम करें।

